महिला संत समागम - सयोंजक स्तर

(सेक्टर 12 - भाईंदर)

माया के स्वामी से जुड़ जा माया से तू जाग रे।

कहे 'हरदेव' यही है मौका प्रभु भक्ति में लाग रे।

21 मार्च 2018: प्रबल माया के प्रहार से बचने के लिए जरूरत है कि हम निरंकार का ही आधार लें और इसी का सिमरन करे। उपरोक्त उदगार भायंदर में आयोजित सयोंजक स्तर महिला संत समागम में आये हुए श्रद्धालु भक्त एवं प्रभु प्रेमियों को संबोधित करते हुए निरंकारी मिशन की प्रचारिका पूज्य बहन मंदा बोडके जी द्वारा दिया गया।

महिलाओं के सम्मान एवं व्यर्थ समय को परमार्थ में बदलने हेतु निरंकारी राजमाता जी ने बाबा गुरबचन सिंह जी से महिला सत्संग की मांग रखी। वही फुलवारी आज इतनी फूल रही है जिसका परिणाम हम महिला सत्संग एवं समागम के रूप में देख रहे है।

इस सत्संग समारोह में दहिसर, काशिमिरा, पेणकरपाड़ा, मीरा रोड, मूर्धा गांव, भायंदर के ब्रांचों से 1200 से भी अधिक महिलाओं ने भाग लिया जिसमे हर उम्र की महिलाएं शामिल थी। पूज्य मंदा बोडके जी ने उदाहरण देते हुए फरमाया की जैसे एक व्यक्ति हवाई जहाज में उड़ रहा हो तो उसे धरती की चीजें छोटी नज़र आती है, उसी तरह निरंकार का आसरा लेते ही हम दुनियावी माया से ऊपर उठ जाते है और माया का असर हम पर

नही हो पाता। फिर मन सदैव सिमरन में तल्लीन रहता है और सबके भले की कामना करता है।

मिशन की शिक्षाओं को उजागर करते हुए श्रद्धालु बहनो ने हिंदी एवं मराठी भाषा का सहारा लेते हुए विचार एवं गीत के माध्यम से अपने भाव व्यक्त किये। अवतार बाणी एवं हरदेव बाणी के सुंदर गायन से पूरा वातावरण आंनद विभोर हो गया। निरंकारी मिशन के अनमोल रत्न एवं परम भक्त पूज्य जुगल किशोर जी एवं भक्त कोटूमल जी की जीवन से प्रेरणा लेने हेतु प्रश्नमंजूषा का भी आयोजन किया गया था जिसमे महिलाओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। इस सत्संग का कुशल मंच संचालन आदरणीय बहन रेशमा गांवकर जी ने किया। धन निरंकार जी